CHAPTER	Accounting : An Introduction लेखांकन : एक परिचय
1	
Unit : 1	लेखांकन का अर्थ एवं क्षेत्र

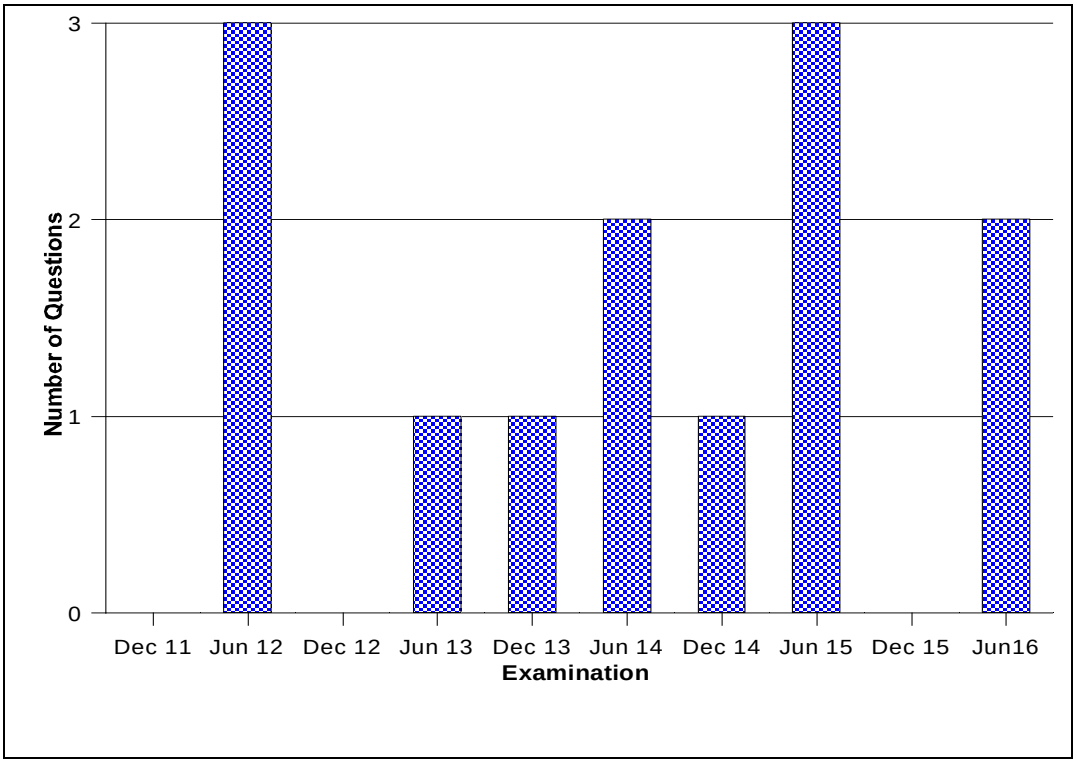

2006 – November

[1] पुस्तपालन के मुख्य उद्देश्य हैं :–
(अ) लेन–देन का पूर्ण अभिलेखन
(ब) व्यवसाय पर वित्तीय प्रभावों का निर्धारण
(स) डाटा का विश्लेषण तथा निर्वाचन
(द) (अ) और (ब) दोनों।

[2] वित्तीय वर्ष के अन्त में ₹ 2,00,000 के मूल्य के माल का विक्रय किये जाने के बाद ₹ 10,000 का अन्तिम स्टॉक बचा हुआ है। यह है

(अ) एक घटना
(ब) एक लेन–देन
(स) एक लेन–देन तथा साथ ही एक घटना
(द) इनमें से कोई नहीं।

2007 - February

[3] वित्तीय विवरण किसका भाग है :
(अ) लेखांकन
(ब) पुस्तपालन
(स) उपरोक्त सभी
(द) उपरोक्त में कोई नहीं।

[4] अमेरिकन इंस्टीट्यूट आफ सर्टिफाइड पब्लिक एकाउन्टेन्टस् के _____ ने लेखाँकन के कार्यों का उल्लेख किया है:
(अ) लेखांकन सिद्धान्त बोर्ड
(ब) लेखांकन मानक बोर्ड
(स) लेखांकन अवधारणा बोर्ड
(द) उपरोक्त में कोई नहीं।

2007 - May

[5] प्रबंध लेखांकन
(अ) एक लिपिकीय कार्य है।
(ब) भविष्य के लिए लेखांकन है।
(स) लेन–देन से सम्बन्धित प्रबन्ध की एक अभिलेखन तकनीक है।
(द) व्यवसाय की पूर्व क्रियाओं का विश्लेषण है।

2007 - August

[6] लेखांकन के प्रत्यक्ष लाभ हैं जिसमें शामिल नहीं है :
(अ) वित्तीय विवरणों का निर्माण
(ब) तुलनात्मक लाभ
(स) लाभ–हानि का निर्धारण
(द) सम्बद्ध समूहों को सूचना देना

2007 - November

[7] दोहरा लेखा प्रणाली इनमें से किसने दी थी :
(अ) लूकस पैसियोलो
(ब) एडम स्मिथ
(स) कोहलर
(द) कार्ल मार्क्स।

[8] 31st दिसम्बर 2005 को अशोक लि० ने एक मशीन मोहन लि० से ₹ 1,75,000 में खरीदी यह है : (वर्ष समाप्ति 31 दिसम्बर)
(अ) एक लेन–देन
(ब) एक घटना
(स) उपरोक्त में कोई नहीं
(द) लेन–देन एवं घटना दोनो।

2008 - February

[9] मूल्य–वृद्धि से सम्बन्धित समस्याओं का निवारण कौन करता है :
(अ) प्रबन्ध लेखांकन
(ब) लागत लेखांकन
(स) वित्तीय लेखांकन
(द) मुद्रास्फीति लेखांकन।

2008 – June

[10] लेखांकन सूचनाओं के उपभोगकर्त्ताओं में शामिल है :
(अ) अंशधारी
(ब) सरकार
(स) लेनदार
(द) उपर्युक्त सभी।

[11] कम्पनी के वित्तीय विवरण में इसमें से कौन उपलब्ध नहीं है :
(अ) कुल विक्रय
(ब) कुल लाभ एवं हानि
(स) पूंजी
(द) उत्पादन की लागत।

2009 – June

[12] ऑफिस के किराये के लिए ₹ 5,000 दिये। यह है
(अ) घटना
(ब) लेन–देन
(स) (अ) अथवा (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं

[13] इनमें से कौन सही है? स्वामी समता है :
(अ) (चालू सम्पत्तियाँ + स्थायी सम्पत्तियाँ) + (चालू दायित्व + दीर्घकालीन दायित्व)
(ब) (चालू सम्पत्तियाँ + स्थायी सम्पत्तियाँ) – (चालू दायित्व + दीर्घकालीन दायित्व)
(स) (चालू सम्पत्तियाँ – स्थायी सम्पत्तियाँ) – (चालू दायित्व + दीर्घकालीन दायित्व)
(द) इनमें से कोई नहीं

[14] अगर स्वामी की पूँजी = ₹ 50,000, दायित्व = ₹ 30,000, स्थायी सम्पत्ति = ₹ 70,000 चालू सम्पत्ति ज्ञात करो।
(अ) ₹ 10,000
(ब) ₹ 40,000
(स) ₹ 80,000
(द) ₹ 1,00,000

2012 – June

[15] शुद्ध लाभ या हानि लेखांकन के किस चरण में निकाला जाता है :
(अ) वर्गीकरण
(ब) निर्वचन
(स) अभिलेखन
(द) संक्षिप्तीकरण

[16] इनमें से कौन लेखांकन का एक मुख्य उद्देश्य नहीं है :
(अ) लेन–देनों का नियमित लेखांकन
(ब) व्यापार के लाभों को ज्ञात करना
(स) व्यापार की वित्तीय स्थिति निश्चित करना
(द) कर अधिकारियों के साथ कर सम्बन्धी विवादों को सुलझाना

[17] वित्तीय वर्ष के अन्त में Mr. X ने ₹57,000 का लाभ कमाया अपने व्यापार से। यह होगाः
(अ) एक लेन–देन
(ब) एक घटना
(स) लेन–देन तथा घटना दोनों
(द) न ही लेन–देन न ही घटना

2013 – June

[18] निम्न में घटना क्या है?
(अ) ₹ 5,000 माल का विक्रय
(ब) ₹ 4,000 का अन्तिम रहतिया
(स) ₹ 8,000 के माल का क्रय
(द) ₹ 2,000 का किराया भुगतान किया।

2013 – December

[19] लेखांकन, का ..... और घटनाओं की रिकार्डिंग और निर्णयन हेतु उपयुक्त सूचनाओं के प्रदर्शन हेतु सार्वभौमिक रूप से उपयोग होता है।
(अ) प्रविष्टि
(ब) लेन–देन
(स) डाटा
(द) आँकड़े

2014 – June

[20] _____ वित्तीय लेखांकन पद्धति का मूल है।
(अ) सामाजिक लेखांकन
(ब) स्टीवार्ड लेखांकन
(स) प्रबन्ध लेखांकन
(द) उत्तरदायित्व लेखांकन

[21] वित्तीय विवरणपत्रों के निर्वचन का अर्थ है:
(अ) वित्तीय विवरणपत्रों में दिये गये डाटा का वर्गीकरण
(ब) वित्तीय विवरणपत्रों के उपयोगकर्ता के अनुसार, उनका निर्माण, प्रस्तुति और वर्गीकरण
(स) दर्ज किये गये डाटा का व्यूहाव्यक विश्लेषण जिससे उपयोगी सूचनायें ज्ञात हो सकें।
(द) लेखांकन डाटा के वर्गीकरण के सम्बन्ध के अर्थ और महत्व को समझाना।

2014 – December

[22] तलपट तक, वित्तीय डाटा को दर्ज करने की प्रक्रिया है–
(अ) पुस्तपालन
(ब) लेखांकन
(स) वर्गीकरण
(द) संक्षिप्तिकरण

2015 – June

[23] स्थायी सम्पत्तियों से सम्बन्धित सभी मद एक स्थान पर तथा चल सम्पत्तियों से सम्बन्धित सभी मद एक स्थान पर होने चाहिये। लेखांकन की यह विधि बताती है।
(अ) संवहन
(ब) विशेषणात्मक
(स) विवरण देना
(द) संग्रहण

[24] सरकार करों के माध्यम से वित्त प्राप्त करती है तथा विभिन्न विकास गतिविधियों में व्यय करती है। वर्ष के अन्त में होने वाला घाटा या आधिक्य होगा–
(अ) एक लेन–देन
(ब) एक घटना
(स) एक लेन–देन और घटना दोनों
(द) न तो लेन–देन और न ही घटना

[25] "किसी भी लेन–देन को तभी महत्व दिया जाना चाहिए जब उसे दर्ज किया जाता है न कि उसके वैधानिक रूप को"। यह कथन ———————— के कारण सत्य है।
(अ) प्रारुप का सार
(ब) लेखांकन नीतियों का उल्लेख
(स) (अ) और (ब) दोनो
(द) इनमे से कोई नहीं

2016 – June

[26] व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का निर्धारण _____ के आधार पर होता है।

(अ) लेखांकन की प्रक्रिया के अन्तर्गत बनाए गए रिकार्डस

(ब) तलपट

(स) लेखांकन रिपोर्टस

(द) इनमें से कोई नहीं

[27] 31 मार्च, 2016 को ₹ 45,000 के विक्रय के पश्चात् व्यवसायी के पास ₹ 20,000 का रहतिया है। यह हैः–

(अ) एक घटना

(ब) एक लेन–देन

(स) एक लेन–देन तथा घटना दोनों

(द) न तो लेन–देन न ही घटना

Answer

1. (द)	2. (अ)	3. (अ)	4. (अ)
5. (स)	6. (ब)	7. (अ)	8. (द)
9. (द)	10. (द)	11. (द)	12. (ब)
13. (ब)	14. (अ)	15. (द)	16. (द)
17. (ब)	18. (ब)	19. (ब)	20. (ब)
21. (द)	22. (अ)	23. (ब)	24. (ब)
25. (अ)	26. (स)	27. (अ)	